Shri S. K. Patil: It is not the point as to which Government prepared the project. But, so far as the first stage was concerned, the work is suspended. The question is about both the first and the second stages It has to be ruled out, because if the second one is taken up, the first gets entirely submerged.

Shri T. N. Singh: I am referring to the second project.

Shri S. K. Patil: It is not a question as to who prepared the project It is under consideration because of the difficulties that I have mentioned

Shri Tyagi: May I know whether as a result of the second project—it is known as the second—the holy sikh shrine of Paonta Sahab will be submerged by about 250 feet?

Shri S. K. Patil: That is a fact but I cannot vouch for the number of feet.

Shri Tyagi: May I know the extent of the agricultural fields in the Dehra Dun district and in Himachal Pradesh that will be submerged under water?

Shri S. K Patil: We shall know it after the survey is completed I have no information about it just now

गोसदन

*११६०. श्री मोहन स्वरूप : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) देश भर में राज्यवार गोसदनों की संख्या कितनी है ;

(ख) उन गोसदनों में कुल कितने पशु हैं ; और

(ग) सरकार उन पर प्रति वर्ष कितना व्यय करती है ?

कृषि उपमंत्री (श्री मो० वें० कृष्णप्पा) : (क) से (ग) सभा की टेबिल पर एक विवरण रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट ४, अनुबन्ध संख्या ४२] ।

श्री मोहन स्वरूप : मैं यह जानना चाहता था कि क्या इन गो सदनों में जो पशु बीमार हैं और बेकार हैं उनकी वास्तव में सेवा हो रही है ?

Mr. Speaker: Order, order. What is the meaning of this insinuation? In fact these Gosadans are meant to take care of these cattle. The *bimar* of the cattle is attended to. But why should the hon. Member ask whether it is true or whether treatment is being given in right earnest? Why does he ask whether 'in earnest' it is being attended to? I will not allow such questions. Is it for the purpose of killing that the Gosadans are established?

Shri Surendranath Dwivedy: He wanted to know whether any step or action is being taken.

Mr. Speaker: How many are ill, how many have been attended to and how many have died? That appears to be the question.

Shri Surendranath Dwivedy: He wants the actual fact.

Mr. Speaker: "Are they being really attended to" is the question. Will the Minister accept it?

Shri Surendranath Dwivedy: The actual question was .

Mr. Speaker: The hon. Members are sometimes prompted, in their enthusiasm to put questions, to criticise the Government. Well, I have no objection, but they might criticise the Government in a proper manner. But they should not take advantage of each question and use the House for the purpose of making insinuations. What exactly is the Gosadan for, unless it is for the purpose of taking care of the cattle? If the hon. Member wants to force the opinion and then convert the House here, there are other opportunities. He can only put a question and elicit an answer: how many have fallen ill, how many have been taken care of or how many have died etc

Shri Mohan Swarup: I wanted to know whether the purpose is actually served or not. That was my point

Mr Speaker: It is served What else will he say? What is the answer that he expects?

श्री म० ला० द्विवेदी : मे यह जानना चाहता हू कि इन गोसदनो के लिये सेवा अधिकारियो के लिये कितनी धनराशि सरकार ने प्रतिवर्ष मुकर्रर की है ?

श्री मो० वें० कृष्णप्पा : दूसरी पचवर्षीय योजना की अवधि मे ६० गोस.न स्थापित करने की योजना है । इस के वास्ते इस साल में ६ लाख रुपया दिया गया है ।

Shri Rameshwar Tantia: Has there been any increase in the supply of milk?

Shri M V Krishnappa: No, Sir We take them as unproductive and useless Cattle which might die come to the Gosadans and milk is taken from such cattle as will continue in milk Otherwise, we do not take these cattle to the Gosadans for milk

मण्डुआडीह रेलवे वर्कशाप

*११६२ **श्री सरजू पांडे** क्या रेलवे मत्री २८ मई, १९५७ के ताराकित प्रश्न सख्या ४७७ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) मण्डुआडीह रेलवे वर्कशाप के लिये जो ३५० एकड भूमि ली जा रही है उसका कितने किसान परिवारो पर प्रभाव पडेगा

(ख) क्या उस क्षेत्र के किसानो ने यह अभ्यावेदन किया है कि उक्त भूमि न ली जाये ,

(ग) क्या उन्होने कोई अन्य भूमि लिये जाने के बारे में सुझाव दिया है ; और

(घ) यदि हां, तो सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज़ खां) . (क) यह मालूम नहीं है कि जमीन लेने से कितने किसान परिवारो पर असर पड़ेगा । लेकिन जिन लोगों के नाम में यह जमीन है और इसे लेने के लिये जिनको नोटिस दिये गये है उनकी तादाद ५७८ है ।

(ख) ी हा ।

(ग) जी हा ।

(घ) कारखाना कहा बनाया जाये, इसके सभी पहलुओ पर विचार करने के बाद यह फैसला किया गया कि कारखाना मडुआडीह के पास बनना चाहिये । इस काम के लिये जितनी जमीन की जरूरत है उसका ज्यादान॰ हिस्सा लिया जा चुका है ।

श्री सरजू पांडे किसानो के डपुटेशन की तरफ से जिस दूसरी जमीन को लेने का सुझाव दिया गया था, उस जमीन को लेने मे सरकार को क्या आपत्ति है ?

श्री शाहनवाज़ खां कोई बडा कारखाना लगाने के लिये हमें इजीनियर्ज और माहिरान की राय पर चलना पडता है, न कि किसानो की राय पर ।

श्री सरजू पांडे क्या यह सत्य है कि जिस जमीन को लेने के लिये किसानो की तरफ से सुझाव दिया गया था, उस पर इजीनियरो को कोई आपत्ति नही थी, लेकिन चूकि वह जमीन किसी बहुत बडे आदमी की है और उत्तर प्रदेश के किसी मिनिस्टर को उस पर आपत्ति थी, इसलिये वह नही ली गई ?

Mr. Speaker: Order, order. The hon. Member is arguing; he is giving reasons as to why it ought not to have been taken.